

по четвертый ать билетъ 1843 година, Априллія 5 день № 1032 въ 15000 рубли Гг. душеприказчики получавать отъ перва та година по смерть та ми сека година двадесеть години. Тѣзи проценти завѣщавамъ азъ на ученый ать Николая Василіевича Савельева, и на реченный ать мой братанецъ Николая Априлова така: 1) Н. В. Савельевъ первый получава отъ душеприказчики тѣ секагодишни тѣ проценти на реченни тѣ 15000 по смерть та ми пять години. 2) пакъ Николай Априловъ подиръ него петнадесеть години. Като ся мине това време полученіе то на годишни тѣ проценти ся присича и сума та петнадесеть тысящъ рубли съ проценти тѣ остава не бутана въ Банкъ ать на шестдесеть години, какъ то и сума та на други тѣ три билети, за полза на Габровско то учебно заведеніе. На Н. В. Савельева завѣщавамъ реченни тѣ проценти въ родѣ вознагражденія за харчове тѣ му за дасварши и напечата Българска та исторія. На братаницъ ать ми Николая, за да ся старе не усыпно съ пламенно усердіе да ся образувать Българе тѣ, и да ся распраснатъ по между имъ науки тѣ. Той да е длъженъ часто да посѣщава Габровско то учебно заведеніе, и да предлага тамъ удобренія.

§ 13.

Почто горѣ казахме, Гг. душе-

Виллѣτου 1843, Ἀπριλλίου 5, № 1032, τῆς ποσότητος ὁμοίως 15000 ρουβλίων οἱ κύριοι ἐπίτροποι μου τοὺς λαμβάνουσιν ἀπὸ τὸν πρῶτον χρόνον τῆς θανῆς μου χρονικῶς εἰς διάστημα εἴκοσι χρόνων. Τοὺς τόκους αὐτοὺς τοὺς ἀφιερώνω τῷ συγγραφεῖ Νικολάῳ Βασιλειάδῃ Σαβέλιεβ και τῷ ῥηθέντι ἀνεφιῷ μου Νικολάῳ Νικηφοριάδῃ Ἀπρίλλοβ ὡς ἀκολουθῶς. 1) Ὁ Ν. В. Σαβέλιεβ πρῶτον πάντων λαμβάνει παρὰ τῶν ἐπιτρόπων τοὺς χρονικοὺς τόκους τῶν ῥηθέντων 15000 ρουβ. ἅμα μετὰ τὸν θάνατον εἰς διάστημα πέντε ἐτῶν. 2) και ἐπομένως ὁ Ν. Ν. Ἀπρίλλοβ εἰς διάστημα τοῦ λοιποῦ καιροῦ τῶν πεντεκαίδεκα χρόνων. μετὰ τὴν προθεσμίαν ταύτην ἡ περῆραιτέρω παραλαβὴ τῶν χρονικῶν τόκων, και τὸ κεφάλαιον τῶν 15000 ρ. μένει (ὡς και τὰ λοιπὰ τρία Βιλλέτα) μετὰ τῶν τόκων ἄδικτον εἰς τὸν Βάγκον εἰς διάστημα ἐξήχοντα χρόνων πρὸς ὄφελος τοῦ συστήματος Γαβρόβου. Τῷ Ν. В. Σαβέλιεβ ἀφιερώνω τοὺς ῥηθέντας τόκους εἰς εἶδος ἀποζημιώσεως τῶν ἐξόδων του πρὸς ἀποπεράτωσιν και ἐκδοσιν εἰς φῶς τῆς Βολγαρικῆς Ἱστορίας. Τῷ δὲ ἀνεφιῷ μου Νικολάῳ πρὸς ἄγρυπνον προσπάθεισιν και φλογερὸν ζῆλον πρὸς πολιτισμὸν τῶν Βολγάρων, και πρὸς διάδοσιν μεταξὺ αὐτῶν τῆς παιδείας. Εἶναι δὲ ὑπόχρεως νὰ ἐπισκέπτητε συνεχῶς τὸ διδακτικὸν τοῦ Γαβρόβου κατάστημα, και νὰ προβάλλη εἰς αὐτὸ καλλιτερήσεις.

§ 13.

Δυνάμει τῶν ῥηθέντων οἱ κύριοι ἐπίτροποι